A brief Report of the event organized in 2021-22

There are several events/seminar/workshops organized in 2021-22 in L.N.D. College, Motihari. Students of L.N.D. College actively participated in the above-mentioned events. Dept. of Physics, Chemistry, Zoology, Botany, History, Political Sc., Geography, Hindi, Education NSS, NCC and other departments organized seminar/workshop in college seminar hall. Glimpses of those programmes are furnished below.

दैनिक भास्कर मोतीहारी 27-07-2021

अरेराज • चकिया • हरसिद्धि • केसरिया

कार्यक्रम • एलएनडी कॉलेज में भौतिकी विभाग की ओर से राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

सेमिनार में क्वांटम यांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक भौतिकी कणों की स्थितिज व गतिज ऊर्जा के बारे में बताया

प्राचार्य डॉ. अरुण ने सभी अतिथियों का स्वागत बुके व प्रतीक चिह्न देकर किया

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर में एलएनडी कॉलेज में भौतिकी विभाग की ओर से सोमवार को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) प्रकोष्ठ के सह संयोजन में एडवांसेज इन एटॉमिक एंड मॉलिक्यूलर नैनो टेक्नोलॉजी विषय पर आयोजित इस सेमिनार का शुभारंभ मंगलाचरण से किया गया। इसके पश्चात बीआरएबीयू के भौतिकी विभाग के प्राध्यापक प्रो.(डॉ.) ललन झा, एमएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार, एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार, एमपीएस साइंस कॉलेज मुजफ्फरपुर के भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशुतोष सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ अरुण कुमार ने सभी अतिथियों का स्वागत बुके व प्रतीक चिह्न भेंट कर किया।

बतौर सम्मानित अतिथि बीआरएबीयू के भौतिकी के प्राध्यापक प्रो. (डॉ.) ललन झा ने अत्यंत सूक्ष्मता से आणविक नैनोप्रौद्योगिकी, परमाणविक नैनोप्रौद्योगिकी, नैनो साइंस व विभिन्न नैनो कणों की भौतिक व रासायनिक संरचनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्वांटम यांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक भौतिकी, कणों की स्थितिज ऊर्जा व गतिज ऊर्जा के बारे में बताया।

'एडवांसेज इन एटॉमिक एंड मॉलिक्यूलर नैनो टेक्नोलॉजी' विषय पर रखे विचार

राष्ट्रीय सेमिनार में अपनी बात रखते डॉ. ललन झा व मौजूद अन्य।

प्रजेंटेशन में विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला

एमपीएस साइंस कॉलेज, मुजफ्फरपुर के भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशुतोष सिंह ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से भौतिकी के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने नैनो साइंस, पृथ्वी पर मौजूद नैनो कणों की संरचना, नैनो कणों के प्रकार, कार्बनिक नैनो कण, अकार्बनिक नैनो कण, कैंसरथेरेपी में प्रयुक्त नैनो कण, चुंबकीय नैनो कण, जल शुद्धीकरण में नैनो कणों के बढ़ते उपयोग, भावी चुनौतियों आदि विभिन्न पहलुओं पर सारगर्भित प्रस्तुति दी।

प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए किया उत्प्रेरित

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ अरुण कुमार ने गंभीरता के साथ विज्ञान के विभिन्न मात्रकों को समझाते हुए माइक्रो व नैनो कणों के बारे में बताया। उन्होंने विज्ञान के विद्यार्थियों को एकाग्रता के लिए उत्प्रेरित किया। कार्यक्रम के समन्वयक सह भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से सेमिनार का विषय प्रवेश कराया। मंच संचालन कार्यक्रम के सह समन्वयक एवं बीसीए समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे ने किया। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पंजीकृत प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया

मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य डॉ अरुण कुमार द्वारा पंजीकृत प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र का वितरण किया गया। सेमिनार में डॉ श्रीकृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ चंचल रानी, पंडित उगम पांडेय कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कर्मात्मा पांडेय, प्रो. राकेश रंजन कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. राधे श्याम, डॉ. परमानंद त्रिपाठी, प्रधान सहायक राजीव कुमार सहित कॉलेज के कर्मचारी व विद्यार्थियों में खुशी, लक्की, धुनमुन सिंह, सौरभ शिखर, प्रिंस, प्रभात, ओमकार आदि मौजूद थे।

BORDER NEWS MIRROR

MOTIHARI

एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

बीएनएम@मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस- 2021 दिवस के अवसर पर बुधवार को नव- निर्मित सभागार में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार, प्रो. अरविंद कुमार व भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम "असमानताओं को समाप्त करें एड्स खत्म करें" इस वर्ष का मुख्य एजेंडा दूनिया भर में आवश्यक सेवाओं तक पहुँच में बढ़ती असमानताओं को उजागर करना है। यूएनएड्स के अनुसार असमानताओं को दूर किए बिना 2030 तक दूनिया से एड्स को समाप्त नहीं किया जा सकता है। आइए हमलोग आज संयमित जीवन जीने एवं चरित्र को ऊँचा उठाने हेतु शपथ लें। भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने उच्च संक्रमणशील एड्स एवं एचआईवी के अंतर्संबंध को बताते हुए दोनों के बीच सुक्ष्म अंतर को रेखांकित किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर के माध्यम से एड्स जागरुकता का संदेश प्रसारित किया गया। प्रतियोगियों द्वारा बनाए गए पोस्टर/ चित्रांकन का मूल्यांकन निर्णायक मंडली द्वारा किया गया। निर्णायक मंडली में भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार एवं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन शामिल थे। इन पोस्टरों से एड्स बीमारी के प्रसार एवं रोकथाम का स्पष्ट संदेश परिलक्षित हो रहा था। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रैंकर को प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगियों में वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता प्रवीण प्रथम रैंक, भौतिकी विभाग का आदर्श कुमार व बीएड की श्वेता कुमारी ने संयुक्त रुप से द्वितीय रैंक तथा सुमन कुमारी (अँग्रेजी) व उत्कर्ष रंजन झा (जंतु विज्ञान) ने संयुक्त रुप से तृतीय रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। प्रतिभागियों की ओर से ऐश्वर्या प्रियदर्शनी, अवनीश कुमार, राहुल कुमार, प्रिंस कुमार, राकेश कुमार शर्मा, रवि कुमार, सुमैला खानम सहित सभी विद्यार्थी शामिल थे। धन्यवाद ज्ञापन मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन द्वारा किया गया।

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI

Accredited by NAAC Grade B+

(A Constituent Unit of B. R. A. Bihar University, Muzaffarpur)

I.Q. A. C. &

INNOVATION AND ENTREPRENEURSHIP DEVELOPMENT CELL

ORGANIZES

NATIONAL SEMINAR

ON

" IMPORTANCE OF DIGITAL LIBRARY AND ENTREPRENEURIAL CULTURE IN HIGHER EDUCATIONAL INSTITUTES"

GUEST OF HONOUR
Prof (Dr.) ARUN KUMAR
PRINCIPAL
M.S. COLLEGE, MOTIHARI

CHIEF GUEST & KEYNOTE SPEAKER
Mr. RAKESH PANDEY
Entrepreneur
C.E.O., BRAVO FOUNDATION

GUEST OF HONOUR
Prof (Dr.) CHANCHAL RANI
PRINCIPAL
Dr. S.K.S.W. COLLEGE, MOTIHARI

PRINCIPAL
Prof (Dr.) ARUN KUMAR
L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI

Venue : L. N. D. COLLEGE, SEMINAR HALL, L. N. D. COLLEGE, MOTIHARI CAMPUS, Date: 9th May, 2022 @ 11:30 AM

स्टार्टअप व नवाचार का केंद्र बनेगा एलएनडी कॉलेज

प्रतिनिधि, मोतिहारी

एलएनडी कॉलेज इनोवेशन व स्टार्टअप नीतियों के तहत छात्रों आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है. बुधवार को प्राचार्य कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने बताया कि नेशनल इन्नोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी, 2019 को पंजीकृत होने वाला बिहार का यह प्रथम गैर-तकनीकी संस्थान है. भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों एवं शिक्षकों में उद्यमिता को जागृत एवं प्रेरित करने के लिए काम कर रहा है. समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे बताया कि इस नीति को एलएनडीसी-आइएसपी नाम दिया गया है. यह नीति मूल रूप से आत्मनिर्भर भारत एवं वोकल फॉर लोकल अभियान को लक्षित कर काम कर रही है. एलएनडीसी-आईएसपी के तहत कॉलेज अपने परिसर में इच्छुक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधारभूत संरचना, आवश्यक प्रशिक्षण एवं नैतिक प्रोत्साहन प्रदान करेगा. यह नीति विद्यार्थियों व शिक्षकों में उद्यमिता की जीवंतता को स्थापित करेगी सफल प्रशिक्षण के उपरांत लाभार्थी अपना स्वयं की कंपनी भी स्थापित कर सकते है. इस नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु वाह्य एवं आंतरिक दो समितियां गठित की गई हैं. इन दोनों समितियों के अध्यक्ष कॉलेज प्राचार्य डॉ अरुण कुमार एवं समन्वयक तकनीकप्रिय भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वेश दुबे हैं. वाह्य समिति में आईआईटी पटना के डॉ पीके तिवारी, बीआरएबीयू के प्रो सतीश कुमार राय, प्रो. प्रेमानंद, उद्योगपति राकेश पांडेय, उद्योग विशेषज्ञ सुधीर अग्रवाल एवं ग्रेटर नोएडा के स्टार्टअप विशेषज्ञ डॉ.कुमार शुभम शामिल हैं. आंतरिक समिति सदस्यों में प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, डॉ पिनाकी लाहा, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ राधेश्याम एवं चार विद्यार्थियों को नामित किया गया है. मीडिया प्रभारी डॉ कुमार राकेश रंजन ने संवाद के दौरान बताया कि दोनों समितियों को समयबद्ध लक्ष्यप्राप्ति हेतु महती जिम्मेदारी सौंपी गई है. इसके लिए कॉलेज में समय-समय पर कार्यशाला, संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे.

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते प्राचार्य डॉ अरुण कुमार व अन्य.

- नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी से कॉलेज हुआ पंजीकृत
- छात्रों को दिया जाएगा प्रशिक्षण, उद्यमिता को मिलेगा बढ़ावा
- आत्मनिर्भर होंगे छात्र, स्वयं की कंपनी करेंगे स्थापित

प्रभात खबर
Thu, 25 November 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/64555581

दैनिक भास्कर मोतीहारी 12-08-2021

आयोजन • एलएनडी कॉलेज में हिंदी विभाग में गोपाल सिंह की प्रासंगिकता विषय पर सेमिनार

गोपाल सिंह नेपाली की रचनाएं आज भी जीवन से प्रत्यक्ष संवाद कर रही : सतीश

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर में एलएनडी कॉलेज में आईक्यूएसी के तहत एक भारत श्रेष्ठ भारत (इंबीएसबी) प्रकोष्ठ के सह संयोजन में बुधवार को हिंदी विभाग की ओर से राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। गोपाल सिंह ''नेपाली'' की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित इस संगोष्ठी का उद्घाटन बीआरएबीयू मुजफ्फरपुर के हिंदी विभाग के विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय, एमएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार व एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। हिंदी विभाग की शिवानी, बेबी, गोल्डी व साक्षी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने बुके व प्रतीक चिह्न भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय ने गोपाल सिंह नेपाली के जीवनवृत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उत्तर छायावाद के जिन कवियों ने काव्य और गीत को जनता का कंठहार बनाया, गोपाल सिंह 'नेपाली' उनमें अत्यंत महत्वपूर्ण थे। 1934 में इनकी कविताओं का प्रथम संग्रह 'उमंग' प्रकाशित हुआ। पंछी, रागिनी, पंचमी, नवीन और हिमालय ने पुकारा आदि इनके काव्य और गीत संग्रह हैं। नवीन के माध्यम से ''नेपाली'' ने नए संसार की परिकल्पना की। नेपाली ने सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के साथ 'सुधा' मासिक पत्र में और कालांतर में 'रतलाम टाइम्स', 'पुण्य भूमि' तथा 'योगी' के संपादकीय विभाग में काम किया। 1949-56 तक मुंबई प्रवास के दिनों में ''नेपाली'' ने तकरीबन चार दर्जन फिल्मों के लिए स्वतंत्र रूप से गीतों की भी रचना की। ''नेपाली'' ने निर्माता-निर्देशक के तौर पर तीन फीचर फिल्मों- नजराना, सनसनी और खुशबू का निर्माण भी किया। उन्होंने कहा कि असमय काल कवलित होने के बावजूद गोपाल सिंह नेपाली की रचनाएं आज भी मनुष्य के जीवन से प्रत्यक्ष संवाद कर रही हैं। आज भी नेपाली के फिल्मी गीतों को बहुत पसंद किया जाता है। एमएस कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार ने गोपाल सिंह ''नेपाली'' को प्रेम, सौंदर्य, प्रकृति और राष्ट्रप्रेमी कवि के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने अपनी मेधा से उर्दू मंचों के बरक्स हिंदी मंच को स्थापित किया। आज जब चीन डोकलाम व गलवान में एक बार फिर आंखे तरेर रहा है तो ऐसी स्थिति में कविवर ''नेपाली'' की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने गोपाल सिंह ''नेपाली'' पर आलेख पठन करते हुए इनकी देशप्रेम व क्रांतिकारी छवि से अवगत कराया। आयोजन सचिव सह हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राधे श्याम ने पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन से संगोष्ठी का विषय प्रवेश कराया।

सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई

कार्यक्रम में मौजूद प्राचार्य प्रो अरुण कुमार, प्रो सतीश कुमार राय।

नेपाली के कृतित्वों से सीख लेने पर जोर

कार्यक्रम के संरक्षक सह प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने प्रतिभागियों को मनोयोग से चंपारण विभूति गोपाल सिंह ''नेपाली'' के व्यक्तित्व व कृतित्वों से सीख लेने पर जोर दिया। बताया कि गोपाल सिंह नेपाली का जन्म 11 अगस्त, 1911 को पश्चिम चंपारण के बेतिया में हुआ था। उनका मूल नाम गोपाल बहादुर सिंह था। 17 अप्रैल, 1963 को इनका देहावसान हुआ।

कविता पाठ में शिवानी कुमारी रही प्रथम

मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में विभागीय जांच परीक्षा तथा कविता पाठ में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करनेवाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। हिंदी विभाग की विभागीय जांच परीक्षा में ऋचा कुमारी को प्रथम, शिवानी कुमारी व गोल्डी शर्मा को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान व अमन कुमार को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वही कविता पाठ में शिवानी कुमारी ने प्रथम, आशीष कुमार ने द्वितीय व गोल्डी शर्मा ने तृतीय स्थान हासिल किया। मंच संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. राधेश्याम व धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो. जयपाल कुमार ने किया।

इनकी रही उपस्थिति

मौके पर डॉ. एसकेएस महिला महाविद्यालय से प्रो. रोशनी विश्वकर्मा, एसएनएस कॉलेज से प्रो. वरुण कुमार ठाकुर, महाराजा हरेंद्र किशोर इंटर कॉलेज से डॉ. अणिमा अनुरागिनी, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ. सर्वेश दुबे, प्रो. राकेश रंजन कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. जौवाद हुसैन, डॉ. परमानंद त्रिपाठी, डॉ. नीरज कुमार समेत राजीव कुमार, मुन्ना कुमार, सौरभ शिखर, प्रिंस, प्रभात, सुमन, अंजलि, आराध्या, रेशमी, हेमा, अमन आदि मौजूद थे।

दैनिक भास्कर मोतीहारी 25-11-2021

अच्छी खबर • नेशनल इनोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी, 2019 के तहत कॉलेज का रजिस्ट्रेशन हो चुका है : प्राचार्य

एलएनडी कॉलेज स्टार्टअप व नवाचार का बनेगा केंद्र

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

एलएनडी कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। अब यहां उन्हें पाठ्यक्रम से संबंधित पढ़ाई के साथ-साथ नया स्टार्टअप शुरू करने में भी मदद मिल सकेगी। हमारे विद्यार्थी कॉलेज से निकलने के बाद न सिर्फ अपना रोजगार खड़ा करने में सक्षम होंगे, बल्कि दूसरे लोगों को भी रोजगार से जोड़ सकेंगे। एलएनडी कॉलेज ने इनोवेशन व स्टार्टअप नीतियों के तहत राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बनने की पहल की है। प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में पत्रकारों से बताया कि नेशनल इन्नोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी, 2019 के तहत कॉलेज का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। बिहार का यह प्रथम गैर-तकनीकी संस्थान है, जिसे भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों एवं शिक्षकों में उद्यमिता को जागृत एवं प्रेरित करने के लिए अवसर प्रदान किया गया है।

विद्यार्थी कॉलेज से निकलने के बाद न सिर्फ रोजगार खड़ा करने में सक्षम होंगे, बल्कि दूसरों को देंगे भी

स्टार्टअप से संबंधित जानकारी देते प्राचार्य व समन्वयक।

दो समितियां गठित, प्राचार्य को बनाया गया अध्यक्ष

सफल क्रियान्वयन के उद्देश्य से वाह्य एवं आंतरिक दो समितियां गठित की गई हैं। दोनों समितियों के अध्यक्ष कॉलेज प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार एवं समन्वयक भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वेश दुबे नामित किए गए हैं। वाह्य समिति में आईआईटी पटना के डॉ. पीके तिवारी, बीआरएबीयू के प्रो. सतीश कुमार राय, प्रो. प्रेमानंद, उद्योगपति राकेश पांडेय, उद्योग विशेषज्ञ सुधीर अग्रवाल एवं ग्रेटर नोएडा के स्टार्टअप विशेषज्ञ डॉ. कुमार शुभम शामिल हैं। आंतरिक समिति सदस्यों में प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी आदि हैं।

पढ़ाई के साथ प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करायेगा एलएनडी कॉलेज

- लक्ष्य निर्धारित कर सपना साकार करे छात्र : प्रचार्य

मोतिहारी . एलएनडी कॉलेज छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराएगा ताकि छात्रो का सपना साकार हो सके. कॉलेज के नव निर्मित सभागार में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर इंट्री इन सर्विसेज योजना शुरू की गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अरुण कुमार ने की. प्रचार्य ने कहा कि कॉलेज के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त एक ऐसा प्रयास किया जा रहा है, जहां आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर अपने सपनों में पंख लगा सकते हैं. छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए प्राचार्य ने कहा कि अपने जीवन का लक्ष्य अभी निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए जी-जान से लग जाएं. उन्होंने कहा कि अब कॉलेज के छात्रों को

कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य डॉ अरुण कुमार.

कहीं बाहर जाने की आवश्यकता नहीं है. उनकी कॉलेज में पढ़ाई और तैयारी दोनों एक साथ होगी. प्रतियोगी छात्र अगर पाठ्यक्रम के मूल को समझ लें तो वे इन परीक्षाओं सहजता से सफल हो सकते. कार्यक्रम के प्रारंभ में एण्ट्री इन सर्विसेज कोचिंग के समन्वयक डॉ. सर्वेश दूबे ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से श्रोताओं के समक्ष इस योजना के उद्देश्य से अवगत कराया. उन्होंने कहा कि इस योजना से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में अप्रत्याशित सुधार हो सकता है.कॉलेज परिसर में छात्रों की शिक्षा पद्धति द्विआयामी हो जाएगी. इस कार्यक्रम का संचालन हिंदी अध्यक्ष डॉ.राधेश्याम तथा धन्यवाद ज्ञापन वनस्पति विज्ञान अध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार ने किया. इस अवसर पर संबोधित करनेवालों कॉलेज प्राध्यापकों की ओर से इतिहास अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, ईबीएसबी/आईक्यूएसी समन्वयक व भौतिकी अध्यक्ष डॉ.पिनाकी लाहा तथा भूगोल अध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार शामिल थे. मौके पर उर्दू अध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन, शिक्षकेतर कर्मियों में प्रधान सहायक राजीव कुमार सहित सभी कर्मी, सभी पंजीकृत प्रतियोगी सहित विद्यार्थी उपस्थित थे.

प्रभात खबर
Fri, 30 July 2021
https://epaper.prabhatkhabar.com/c/62142371

राष्ट्रीय संगोष्ठी का हुआ सफल आयोजन

मोतिहारी(एसएनबी)। शहर में एलएनडी कॉलेज के नवनिर्मित सभागार में आईक्यूएसी के तहत एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) प्रकोष्ठ के सह- संयोजन में बुधवार को हिंदी विभाग की ओर से एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। बीआरएबीयू मुजफ्फरपुर के हिंदी विभाग में पदस्थापित विश्वविद्यालय विभागाध्यक्ष प्रो.(डॉ.)सतीश कुमार राय, एमएस कॉलेज प्राचार्य प्रो.अरूण कुमार व कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्रीगणेश किया गया। हिंदी विभाग की शिवानी, बेबी, गोल्डी एवं साक्षी द्वारा सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कॉलेज प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार ने बुके व प्रतीक चिह्न भेंट कर मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) सतीश कुमार राय का स्वागत व आतिथ्य किया। हिंदी भाशाध्साहित्य के मूर्धन्य विद्वान व मुख्य अतिथि प्रो.(डॉ.) सतीश कुमार राय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोपाल सिंह श्नेपालीश के जीवनवृत पर विस्तृत प्रकाश डाला।

गोपाल सिंह नेपाली के बारे में अतिथियों ने डाला प्रकाश

कार्यक्रम के संरक्षक व प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए उपस्थित प्रतिभागियों को पुरे मनोयोग से चंपारण विभूति गोपाल सिंह (नेपाली) के व्यक्तित्व व कृतित्वों से सीख लेने पर जोर दिया।

एमएस कॉलेज प्राचार्य व हिंदी के सुप्रसिद्ध विद्वान प्रो.अरूण कुमार ने अपने विद्वतापूर्ण व्याख्यान में गोपाल सिंह (नेपाली) को प्रेम, सौदर्य, प्रकृति और राष्ट्रप्रेमी कवि रेखांकित किया। । इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ.सुबोध कुमार ने गोपाल सिंह (नेपाली) पर आलेख पठन करते हुए इनकी देशप्रेम व क्रांतिकारी छवि से अवगत कराया। आयोजन सचिव-सह-हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.राधे श्याम ने पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण द्वारा इस संगोष्ठी का विषय प्रवेश कराते हुए चंपारण विभूति गोपाल सिंह (नेपाली) के व्यक्तित्व व .तित्व पर सारगर्भित प्रस्तुति दी। मीडिया प्रभारी डॉ.कुमार राकेश रंजन के सूत्रों से कार्यक्रम के अंत में कॉलेज प्राचार्य प्रो.अरुण कुमार द्वारा विभागीय जांच परीक्षा तथा कविता पाठ में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रैंकर को पुरस्कृत किया गया। हिंदी विभाग की विभागीय जाँच परीक्षा में ऋचा कुमारी को प्रथम स्थान, शिवानी कुमारी व गोल्डी शर्मा को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान व अमन कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कविता पठन में शिवानी कुमारी ने प्रथम रैंक, आशीश कुमार ने द्वितीय रैंक व गोल्डी शर्मा ने तृतीय रैंक हासिल कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का लोहा मनवाया। अंत में अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.राधे श्याम ने एंकरिंग तथा हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक प्रो.जयपाल कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर डॉ.एसकेएस महिला महाविद्यालय से हिंदी की सहायक प्राध्यापिका प्रो.रोशनी विश्वकर्मा, एसएनएस कॉलेज से हिंदी के सहायक प्राध्यापक प्रो. वरुण कुमार ठाकुर, महाराजा हरेंद्र किशोर इंटर कॉलेज से अध्यापिका डॉ.अणिमा अनुरागिनी, कॉलेज प्राध्यापकों की ओर से भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ.पिनाकी लाहा, बीसीए समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे, भूगोल अध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार, वनस्पति विज्ञान अध्यक्ष प्रो.अरविंद कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जौवाद हुसैन, बीएड विभागाध्यक्ष डॉ.परमानंद त्रिपाठी, जंतु विज्ञान सहायक प्राध्यापक डॉ.नीरज कुमार, शिक्षकेतर कर्मियों की ओर से प्रधान सहायक राजीव कुमार, मुन्ना कुमार सहित सभी कर्मी तथा प्रतिभागियों की ओर से सौरभ शिखर, प्रिंस, प्रभात, सुमन, अंजलि, आराध्या, रेशमी, हेमा, अमन इत्यादि शामिल थे।

नित नई ऊंचाइयों को छू रहा जिले का एलएनडी कॉलेजः प्राचार्य

डेली वर्ल्ड/मोतिहारी

जिले का लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय स्टार्टअप व नवाचार का केंद्र बनकर नित्य नई ऊंचाइयों को छूते हुए इनोवेशन व स्टार्टअप नीतियों के तहत राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का नया अध्याय लिख रहा है। प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बुधवार को प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार ने बताया कि नेशनल इन्नोवेशन एंड स्टार्टअप पॉलिसी, 2019 को अंगीकार करनेवाला बिहार का यह प्रथम गैर-तकनीकी संस्थान है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के निर्देशन में उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों एवं शिक्षकों में उद्यमिता को जागृत एवं प्रेरित करने के लिए कदमताल कर रहा है। समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे बताया कि इस नीति को एलएनडीसी- आईएसपी नाम दिया गया है। यह नीति मूल रूप से आत्मनिर्भर भारत एवं वोकल फॉर लोकल अभियान को लक्षित कर काम कर रही है। एलएनडीसी- आईएसपी के तहत कॉलेज अपने परिसर में इच्छुक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को आधारभूत संरचना, आवश्यक प्रशिक्षण एवं नैतिक प्रोत्साहन प्रदान करेगा। यह नीति विद्यार्थियों व शिक्षकों में उद्यमिता की जीवंतता को स्थापित करेगी सफल प्रशिक्षण के उपरांत लाभार्थी अपना स्वयं की कंपनी भी स्थापित कर सकता है। चंपारण प्रक्षेत्र में उद्यमिता के प्रोत्साहन हेतु यह अभिनव पहल मानी जा रही है।

इस नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु वा एवं आंतरिक दो समितियां गठित की गई हैं। इन दोनों समितियों के अध्यक्ष कॉलेज प्राचार्य डॉ.अरुण कुमार एवं समन्वयक तकनीकप्रिय भौतिकी के सहायक प्राध्यापक डॉ सर्वेश दुबे नामित किए गए हैं। वा समिति में आईआईटी पटना के डॉ. पीके तिवारी, बीआरएबीयू के प्रो.सतीश कुमार राय, प्रो. प्रेमानंद, उद्योगपति श्री राकेश पांडेय, उद्योग विशेषज्ञ सुधीर अग्रवाल एवं ग्रेटर नोएडा के स्टार्टअप विशेषज्ञ डॉ. कुमार शुभम शामिल हैं। आंतरिक समिति सदस्यों में प्रो. दुर्गेशमणि तिवारी, डॉ. पिनाकी लाहा, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ राधेश्याम एवं चार विद्यार्थियों को नामित किया गया है। बेहतर उपलब्धियों को प्राप्त करने के उद्देश्य से लघुकालीन एवं दीर्घकालीन योजनाएँ भी तय की गई हैं।

मीडिया प्रभारी डॉ.कुमार राकेश रंजन ने संवाद के दौरान बताया कि दोनों समितियों को समयबद्ध लक्ष्यप्राप्ति हेतु महती जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए कॉलेज में समय-समय पर कार्यशाला, संगोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। इच्छुक विद्यार्थी इस नीति की विस्तृत जानकारी हेतु निर्धारित कार्यदिवस एवं कार्यविधि में समन्वयक डॉ. सर्वेश दुबे से संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

दैनिक भास्कर मोतीहारी 02-12-2021

कार्यक्रम • एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन, दी गई जानकारियां

विद्यार्थियों ने पोस्टर के जरिए दिया एड्स जागरुकता का संदेश, वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता रही प्रथम

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर बुधवार को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो अरविंद कुमार व भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम "असमानताओं को समाप्त करें एड्स खत्म करें" है। इस वर्ष का मुख्य एजेंडा दुनिया भर में आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में बढ़ती असमानताओं को उजागर करना है। यूएनओ के अनुसार असमानताओं को दूर किए बिना 2030 तक दुनिया से एड्स को समाप्त नहीं किया जा सकता है। हमलोग संयमित जीवन जीने एवं चरित्र को ऊंचा उठाने की शपथ लें।

पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी।

भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने उच्च संक्रमणशील एड्स एवं एचआईवी के अंतर्संबंध को बताते हुए दोनों के बीच सूक्ष्म अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने हाल ही में मॉडल फॉर्मा द्वारा विकसित एचआईवी वैक्सीन के ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल की सफलता का जिक्र किया। आने वाले दिनों में एचआईवी वैक्सीन की उपलब्धता संभव हो सकती है जो लोगों की सिसकती जिंदगियों को संवार सकेगी।

विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से दिया संदेश

पोस्टर व चित्रांकन का मूल्यांकन निर्णायक मंडली द्वारा किया गया। निर्णायक मंडली में भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार एवं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन शामिल थे। इन पोस्टरों से एड्स बीमारी के परोकथाम का स्पष्ट संदेश परिलक्षित हो रहा था।

प्रतिभागियों को मिला प्रमाण-पत्र

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता को प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता परवीन प्रथम, भौतिकी विभाग का आदर्श कुमार व बीएड की श्वेता कुमारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

दैनिक भास्कर मोतीहारी 02-12-2021

कार्यक्रम • एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन, दी गई जानकारियां

विद्यार्थियों ने पोस्टर के जरिए दिया एड्स जागरुकता का संदेश, वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता रही प्रथम

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में विश्व एड्स दिवस पर बुधवार को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो अरविंद कुमार व भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने कहा कि विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम "असमानताओं को समाप्त करें एड्स खत्म करें" है। इस वर्ष का मुख्य एजेंडा दुनिया भर में आवश्यक सेवाओं तक पहुंच में बढ़ती असमानताओं को उजागर करना है। यूएनओ के अनुसार असमानताओं को दूर किए बिना 2030 तक दुनिया से एड्स को समाप्त नहीं किया जा सकता है। हमलोग संयमित जीवन जीने एवं चरित्र को ऊंचा उठाने की शपथ लें।

पोस्टर प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी।

भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने उच्च संक्रमणशील एड्स एवं एचआईवी के अंतर्संबंध को बताते हुए दोनों के बीच सूक्ष्म अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने हाल ही में मॉडल फॉर्मा द्वारा विकसित एचआईवी वैक्सीन के ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल की सफलता का जिक्र किया। आने वाले दिनों में एचआईवी वैक्सीन की उपलब्धता संभव हो सकती है जो लोगों की सिसकती जिंदगियों को संवार सकेगी।

विद्यार्थियों ने पोस्टर के माध्यम से दिया संदेश

पोस्टर व चित्रांकन का मूल्यांकन निर्णायक मंडली द्वारा किया गया। निर्णायक मंडली में भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार एवं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन शामिल थे। इन पोस्टरों से एड्स बीमारी के परोकथाम का स्पष्ट संदेश परिलक्षित हो रहा था।

प्रतिभागियों को मिला प्रमाण-पत्र

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय विजेता को प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता परवीन प्रथम, भौतिकी विभाग का आदर्श कुमार व बीएड की श्वेता कुमारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

डेली वर्ल्ड

चम्पारण

www.dailyworld.in

विश्व एड्स दिवस पर आयोजित की गई पोस्टर प्रतियोगिता

डेली वर्ल्ड/मोतिहारी

विश्व एड्स दिवस दिवस के अवसर पर बुधवार को शहर के लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के परिसर स्थित नवनिर्मित सभागार में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रभारी प्राचार्य डॉ.सुबोध कुमार, एनएसएस पीओ प्रो.अरविंद कुमार व भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुबोध कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व एड्स दिवस 2021 की थीम असमानताओं को समाप्त करें एड्स खत्म करेंड्ड है। इस वर्ष का मुख्य एजेंडा दुनिया भर में आवश्यक सेवाओं तक पहुँच में बढ़ती असमानताओं को उजागर करना है। यूएनएड्स के अनुसार असमानताओं को दूर किए बिना 2030 तक दुनिया से एड्स को समाप्त नहीं किया जा सकता है। आइए हमलोग आज संक्रमित जीवन जीने एवं चरित्र को ऊँचा उठाने हेतु शपथ लें। मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. कुमार राकेश रंजन ने विश्व एड्स दिवस पर अपने संबोधन में बताया कि लोगों को यह स्मरण रखना महत्वपूर्ण है, कि प्रारंभिक एचआईवी लक्षण के बारे में सुनिश्चित होने के लिए, परीक्षण ही एकमात्र विकल्प है। एचआईवी परीक्षण करवाना ही यह निर्धारित करने का एकमात्र तरीका है कि वायरस शरीर में है या नहीं। इसके बारे में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से अवश्यमेव बात करना चाहिए। भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. पिनाकी लाहा ने उच्च संक्रमणशील एड्स एवं एचआईवी के अंतर्संबंध को बताते हुए दोनों के बीच सूक्ष्म अंतर को रेखांकित किया। उन्होंने हाल ही में मॉडल फार्मा द्वारा विकसित एचआईवी वैक्सीन के ह्यूमन क्लिनिकल ट्रायल की सफलता का जिक्र किया। आने वाले दिनों में एचआईवी वैक्सीन की उपलब्धता संभव हो सकती है जो लोगों की सिसकती जिंदगियों को सँवार सकेगी। प्रो.अरविंद कुमार ने एड्स एवं एचआईवी के संक्रमण, प्रसार, विसंक्रमण व रोकथाम के संबंध में सारगर्भित प्रस्तुति दी। इन्होंने इस बीमारी से पीड़ित रोगियों के प्रति सामाजिक छुआछूत के बहिष्कार का आह्वान किया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर के माध्यम से एड्स जागरूकता का संदेश प्रसारित किया गया। प्रतियोगियों द्वारा बनाए गए पोस्टर/चित्रांकन का मूल्यांकन निर्णायक मंडली द्वारा किया गया। निर्णायक मंडली में भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो.राकेश रंजन कुमार एवं उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ.जीवाद हुसैन शामिल थे। इन पोस्टरों से एड्स बीमारी के प्रसार एवं रोकथाम का स्पष्ट संदेश परिलक्षित हो रहा था। नवनिर्मित सभागार की दीवारों पर चस्पाए गए पोस्टर का निर्णायक मंडली के सदस्यों, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने भी गहन अवलोकन किया। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय रैंकर को प्रभारी प्राचार्य डॉ.सुबोध कुमार द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्राध्यापकों की ओर से डॉ.कृष्ण कुमार सिन्हा, प्रो.प्रियरंजन झा, डॉ.जयंती झा व डॉ.मधुलिका तथा प्रतिभागियों की ओर से वनस्पति विज्ञान विभाग की शाईस्ता प्रवीण प्रथम रैंकर, भौतिकी विभाग का आदर्श कुमार व बीएड की श्वेता कुमारी ने संयुक्त रूप से द्वितीय रैंकर तथा सुमन कुमारी (अंग्रेजी) व उत्कर्ष रंजन झा (जंतु विज्ञान) ऐश्वर्या प्रियदर्शनी, अवनीश कुमार, राहुल कुमार, प्रिंस कुमार, राकेश कुमार शर्मा, रवि कुमार, सुमैला खानम व प्रधान सहायक राजीव कुमार सहित सभी विद्यार्थी शामिल थे।

दैनिक भास्कर

मोतीहारी 13-08-2021

अच्छी खबर • प्राचार्य व मुंबई के जागृति सेवा संस्थान के दूत के बीच समझौते पत्र पर हुआ हस्ताक्षर

एलएनडी कॉलेज के छात्र डिजिटल यात्रा पर जाएंगे मुंबई

सिटी रिपोर्टर | मोतिहारी

शहर के एलएनडी कॉलेज में बुधवार को स्टार्टअप नीतियों के तहत राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का नया अध्याय शुरू हुआ। कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) अरुण कुमार एवं मुंबई के जागृति सेवा संस्थान के पूर्वी चंपारण दूत मुन्ना कुमार के बीच समझौते पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ। इसके तहत महाविद्यालय से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का चयन कर जागृति सेवा संस्थान द्वारा डिजिटल यात्रा कराई जाएगी। यह यात्रा 24 दिसंबर 2021 से सात जनवरी, 2022 तक चलेगी। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार ने बताया कि स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता द्वारा राष्ट्र निर्माण के अभिनव प्रयास में यह महाविद्यालय कदमताल करने को तैयार है।

प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार को समझौता पत्र सौंपते मुन्ना कुमार।

जागृति सेवा संस्थान आउटरीच पार्टनर घोषित करेगी

जागृति सेवा संस्थान से जुड़े मुन्ना ने बताया कि सर्वप्रथम इच्छुक विद्यार्थी जागृति यात्रा डॉट कॉम पर पंजीकरण कराएंगे। जागृति सेवा संस्थान अपनी वेबसाइट एवं सोशल मीडिया पर इस महाविद्यालय को आउटरीच पार्टनर घोषित करेगी।

चयनित प्रतिभागियों को यात्रा के लिए इंसेंटिव भी दिया जाएगा

मीडिया प्रभारी डॉ. कुमार राकेश रंजन ने बताया कि जागृति सेवा संस्थान की इस डिजिटल यात्रा में उद्यमशीलता के छह मुख्य क्षेत्र हैं- महिला उद्यमिता, स्वास्थ्य देखभाल, कृषि प्रसंस्करण, डिजिटल तकनीक, सुव्यवस्थित शहरीकरण एवं हस्तशिल्प व परिधान। इन क्षेत्रों में रुचि रखनेवाले चयनित प्रतिभागियों को मुंबई, एर्नाकुलम, कन्याकुमारी, मदुराई, चेन्नई, बेहरामपुर, विशाखापट्टनम, नालंदा, देवरिया, दिल्ली, तिलोनिया एवं अहमदाबाद के विभिन्न प्रतिष्ठित फर्मों की सैर करायी जाएगी।